ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 44 **अंक 2** **अप्रैल 2020**

इस अंक में

संवाद

लेख

1.	प्राथमिक स्तर पर कला शिक्षा कलात्मकता के विकास के विकटर लॉन्फेल्ड के सिद्धांत की उपादेयता	अखिलेश कुमार रजनी रंजन सिंह	7
2.	विज्ञान विषय की उपलब्धि पर स्व-मूल्यांकन की प्रभावशीलता	प्रिया पारधी शिरीष पाल सिंह	15
3.	शांति के लिए शिक्षा एवं शांति निर्माता के रूप में शिक्षक	नरेश कुमार	25
4.	व्यक्तिगत और सामाजिक योग्यता का विकास	पद्मा यादव	35
5.	संख्या एवं उसके स्थानीयमान की समझ	अश्विनी गर्ग	40
6.	प्रारंभिक विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उद्यमशीलता के प्रति दृष्टिकोण	मनीष कुमार गौतम	47
7.	बहुभाषी भारत में मातृभाषा का महत्व और उसकी शिक्षा में उपयोगिता	रितिका	57
8.	प्राथमिक शिक्षक-प्रशिक्षुओं की हिंदी भाषा वर्तनी में निपुणता का अध्ययन	अनु जी.एस. लता पी.डी. सुभाष	62
9.	विद्यालय प्रबंधन समिति और प्रारंभिक शिक्षा स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	संजीव कुमार	74

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

10.	कविता बोध में शब्दावली और संवेदीय अनुभव	टीना कुमारी	83
11.	प्राथमिक स्तर पर आँगनबाड़ी के माध्यम से विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन	शिखा चतुर्वेदी	90

विशेष

12.	पाठ्यचर्या, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षणशास्त्र, सीखने के प्रतिफल और समावेशी शिक्षा		95

बालमन कुछ कहता है

13.	आओ इन्हें अपनाएँ	आरोही गुप्ता	115

कविता

14.	जिज्ञासा	सुनील कुमार गौड़	116